आज का पुरुषार्थ 7 March 2023

Source: BK Suraj bhai   **Website**: www.shivbabas.org

सार – *" **होली**.. आज कोई अपने एक कमजोरी त्याग दे .. और संकल्प करे .. कि .. मुझे सदा सदा के लिए इससे मुक्त होना है "*

होली खुशियों का संदेश लेकर आ गई है। भारत में तो चारों ओर एक हफ्ते से खुशियाँ ही खुशियाँ फैली रहती है।

देखिए भारत देश कैसा है? जहाँ हमारे आचार्यों ने, नीति निर्धारकों ने ऐसा सुन्दर व्यवस्था की, लोग कुछ कुछ समय के बाद सबकुछ भूलकर खुशियाँ मनायें, आपस में मिलें। सबके मनमुटाव दूर हो गये।

तो आज पुनः सभी होली दहन करेंगे। बस, दहन के साथ अपने कोई एक कमी कोई **बूरा संस्कार, कोई बूरी आदत उसका भी दहन कर दे**, ताकि जीवन सरल हो जाये।

देखिये, हमारा **लक्ष्य** तो यही होता है, हम जीवन को enjoy करे, relationships को enjoy करे, हमारी परिवार में **सुख शान्ति हो, प्रेम हो,** सहज सभी लोग **सफलता** की ओर चलें।

लेकिन कभी कभी ऐसा देखा जाता है, के मनुष्य का कोई एक **संस्कार** उसे तंग करता है, दूसरे लोगों को तंग करता है। जैसे किसी के संस्कार है बूरा बोलने का, उससे लोग तंग हो जाते है।

किसी के संस्कार होता है ज्यादा बोलने का, किसी का संस्कार होता है बहुत फीलिंग में आने का। किसी का संस्कार होता है रोने रूसने का। हमें इन संस्कार से मुक्त होना है।

तो आज कोई अपने एक कमजोरी डाल दे होली में, और **संकल्प** करे, कि मुझे सदा सदा के लिए इससे मुक्त होना है। तो बहुत ही अच्छा होगा, यादगार बन जायेगी।

जब होली आयेगी, तो आपको याद आयेगा, कि हमने यह चीज त्याग कर दी है। और सभी रंग एक दूसरे पर डालेंगे।

तो यह रंग कॉमन चीज़ है। लेकिन हमें ज्ञान का रंग एक दूसरे पर डालना है।

ज्ञान देना है। **प्रेम की दृष्टि** देनी है। ताकि प्रेम की पिचकारी हमसे सब पर पड़ती रहे। और जो ज्ञानी आत्मायें है, उन्हें **शक्तियों** के vibrations दूसरों को देने है।

शक्तियों के पिचकारी दूसरों पर डालनी है। जो राजयोग से हम सर्वशक्तिमान से शक्तियाँ लेते है वह हमें एक दूसरों को देना है। तो यह हमारा रंग सदा के लिए **अविनाशी** हो जायेगा।

यह कभी उतरता नहीं है। यह ऐसा रंग है, एकबार चढ़ गया सो चढ़ ही जाता है। ऐसे रंग की ही तो हमें जरूरत है। और जो **राजयोग** कर रहे है, या जो भगवान के भक्त है, सभी प्रभु प्रेम के रंग में आज रंग जायें।

लोग तो वह रंग खेलेंगे। हमें तो **प्रभू प्रेम के रंग में स्वयं को रंग देना है।** यह रंग तो कभी उतरता नहीं। दुनिया चाहे कुछ भी कहे, कहने दो। लेकिन हमें इस रंग को उतरना नहीं है।

यह रंग चढ़ा रहे, तो प**रमात्मा के संग से आत्मा बहुत श्रेष्ठ और पवित्र बन जायेगी।** मिलन करेंगे, खुशियाँ मनायेंगे, मिठाईयाँ खायेंगे। यह तो बहुत सुन्दर परम्परा है हमारी देश की।

हम सभी आपस में आत्मिक भाव से मिलेंगे। अगर पूरे संसार में सभी के अंदर आत्मिक भाव आ जाये के, हम भी आत्मायें है, दुसरे भी आत्मायें है। तो एक सुन्दर आध्यात्म की लहर चारों ओर फैल सकती है।

हम इस **आत्मिक भाव की लहर फैलाने से** इन सभी लहरों को समाप्त कर सकेंगे। यही एक मार्ग है। किसी के भय को डाक्टर दूर नहीं कर सकते है। डाक्टरों के पास कोई ऐसी दवाई नहीं है कि आप को देंगे और आपके एंगजाइटी, आपका डर खतम हो जायेगा!

इसके लिए आपको स्वयं ही अपने को सशक्त करना पड़ेगा। तो आज कुछ सुन्दर संकल्पों से अपना श्रृंगार करे। जो आत्मायें **ईश्वरीय महावाक्य** सुनती है, वह उनमे से कुछ ऐसे सुन्दर महावाक्य ले ले जो सदा सदा के लिए उनके जीवन को महान बनाने वाले हो जाये।

तो यह होली आपके लिए बहुत शुभदाई हो। और पास्ट के जो होली आये, वह सदा के लिए विदाई देकर अपने जीवन में एक नये संसार को प्रवेश होने दे। एक नये संस्कारों को प्रवेश होने दे। नये विचारों को प्रवेश होने दे। **नये संस्कारों का निर्माण करे।**

तो सचमुच हमें देखकर दूसरे भी महान बनते जायेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org